

# IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering

(SASE)

Organized

**ONLINE EXPERT TALK ON KISAN DIWAS**

**December 23, 2020**



## IFTM UNIVERSITY, MORADABAD

### School of Agricultural Sciences & Engineering

Organizing Experts Talk  
on the occasion of  
**"KISAN DIWAS"**





## वर्तमान परिपेक्ष में भारतीय कृषि की समस्याएं एवं समाधान



**Speaker**  
Dr. Babit Kumar Bihan  
Assistant Professor,  
Govt. Degree College,  
Jakholi Rudraprayag, Uttarakhand

On  
**December 23<sup>rd</sup>, 2020**  
**At 12:00 Noon Onwards**



**Speaker**  
Dr. Alka Sharma  
Assistant Professor,  
School of Social Sciences  
IFTM University, Moradabad

Co-Convener  
**Mr. Abhay Saini**

Convener  
**Dr. Yashpal Singh**

Organizing Secretary  
**Mrs. Richa Khanna**

Co-Chairman  
**Dr. Krishan Pal**

Chairman  
**Dr. Virendra Singh**

**Link to join the experts talk:** <https://meet.google.com/tnh-skyg-ojm>

## Kisan Divas

Kisan Divas is celebrated every year on 23<sup>rd</sup> December to celebrate the birth anniversary of a great farmers' leader Shri Chaudhary Charan Singh. In his beloved memory and to serve the farming community, SASE has organized an online expert lecture for students and farmers. Online lectures were delivered by Dr. Babit Kumar Bihan, Assistant Professor and HoD, Rajkiya Mahavidyalaya, Jakholi, Uttarakhand " and Dr. Alka Sharma,

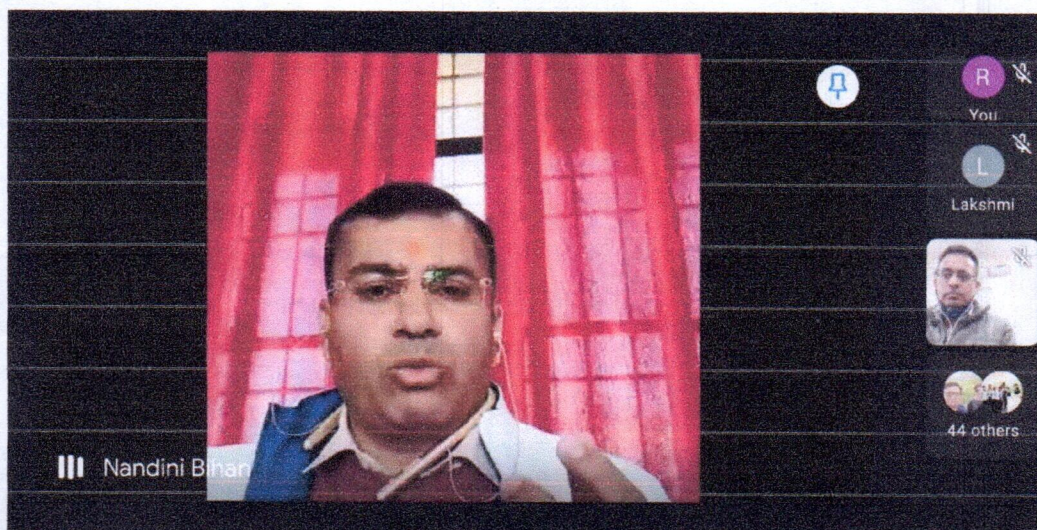
*Sanjeev Brawal*  
**Registrar**  
IFTM University  
Moradabad.

Assistant Professor, School of Social Sciences, IFTM University on “*Vartman Paripeksh me Bhartiya Krishi ki Samasyaen evam Samadhan*”. The lectures were very fruitful for students and farming community. The participants also discussed different issues with the experts. Honorable Vice Chancellor Prof. M.P. Pandey said that if we want to uplift our nation, we should focus on the growth of farming community. A successful and prosperous farmer has the potential to create a prosperous nation. Registrar, Prof. Sanjeev Agarwal gave his blessings and said, Moradabad lies in the Indo-Gangetic Plains and has got wonderful agricultural resources. If we utilize them properly and judiciously, we can become pioneer in the field of agriculture. Mr. K.K. Bansal, Director Training and placement and Dr. Virendra Singh, Director, School of Agricultural Sciences & Engineering provided their whole hearted support for success of the event. The program was organized by Assistant Professors Mrs. Richa Khanna, Dr. Yashpal Singh and Mr. Abhay Saini. The program ended with vote of thanks proposed by HoD, Dr. Krishan Pal.

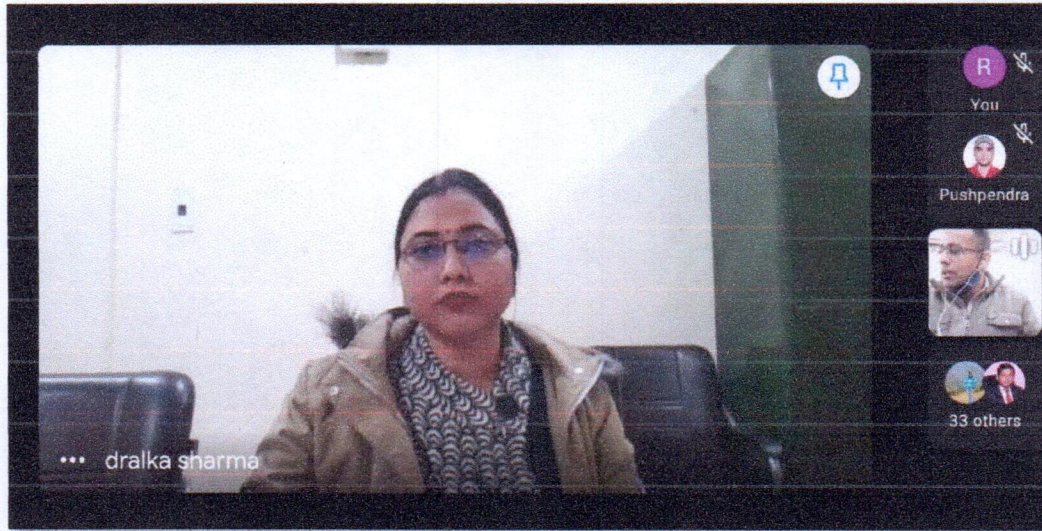
## Outcome

Students were able to understand the problems associated with agriculture and to find out possible solutions to overcome them.

## Few Glimpses....



*Sanjeev Agarwal*  
**Registrar**  
IFTM University  
Moradabad.



### Problems of farmers किसानों की समस्या

1. Low productivity कम उत्पादकता

- Low fertility कम उर्वरता
- Climate change जलवायु परिवर्तन
- Small land size छोटे भूमि का आकार
- Uncontrolled use of fertilizer उर्वरक का अनियंत्रित उपयोग
- Natural watershed interrupted प्राकृतिक वाटरशेड बाधित
- Soil desertification मिट्टी का बंजर होना
- Absence of scientific view वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अनुपस्थिति
- Faulty practice दोषपूर्ण अभ्यास

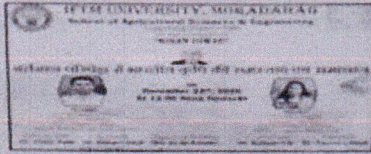
*Sanjeev Dhasol*  
**Registrar**  
 IFTM University  
 Moradabad.

**Media Coverage**

**विधान कैसी**  
**मुद्रायाबाद , 24 दिसम्बर 2020 , गुरुवार**

**आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में किसान दिवस पर ऑनलाइन परिचर्चा का आयोजन**  
**देश को जल, पर्यावरण और जनसंख्या प्रबंधन की जरूरत: डॉ विहान**

मुद्रायाबाद (विधान कैसी)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं, सुननेय को चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस को पूरे देश में किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी परिधि में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एक इंटरैक्टिव द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन कर किसान दिवस को सुभाह में मनाया गया। सुननेय के विवेक चौधरी, जयशंकर, लखनपुर, ताराशंकर के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ बबित कुमार विहान ने वर्तमान परिधि में भारतीय कृषि की समस्याएं एवं उनके समाधान विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें जल प्रकल्प, पर्यावरण प्रकल्प एवं जनसंख्या प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने इलाहाबाद द्वारा इलाहाबादी एवं टाकस सिविल एवं किट्टुसदर विद्यालय को बताया कि ये जोर दिया। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अलका शर्मा ने कृषि से संबंधित समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की। डॉ. शर्मा ने किसानों के लिए नई तकनीक का भी प्रयोग कर कृषि सिविल प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री कृषि कर्षण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जैसे कई सरकारी योजनाओं को भी बताया। विश्वविद्यालय के



कृषि प्रोफेसर गरीब प्रसाद पांडेय ने कहा कि हमें अपने कृषि प्रधान देश में विभिन्न माध्यम से किसानों को कृषि समस्याएं एवं समाधान के ऊपर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस दिशा में हमारा विश्वविद्यालय बहुत पहले से ही प्रयास है। कुलपति चरण चौधरी ने अलका शर्मा को बधाई देते हुए कृषि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्य करने के लिए स्कूल का उपकरण विभाग। टैलिंग एवं प्रोसेसिंग के विभाग भी के. के. बनत ने कहा कि कृषि हमारे देश की रीढ़ है जिसके विकास हेतु हमें निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने बताया कि स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एवं अभियांत्रिकी इन दिशा में निरंतर कार्य कर रहा

है। स्कूल के विदेशी डॉ. वीरेंद्र सिंह ने सभी दिशा बताई एवं परिभाषित कर स्पष्ट करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह किसानों के लिए मरीदा या तो अपने जीवन काल में हमारा किसानों के लिए नई कार्य करते रहे। कार्यक्रम के सम्बन्धित असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. परमेश्वर सिंह ने परिचर्चा का समाधान करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में उपयुक्त प्रकल्प एवं अनुसंधान की आवश्यकता है और कृषि से संबंधित नवीकराय-जानकारी को किसानों तक पहुंचाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि श्री चौधरी चरण सिंह ने किसानों के लिए नई विधेयक पारित किए जिससे किसान अपने खेती में सुरक्षित रहे। कार्यक्रम की आयोजन सहित असिस्टेंट प्रोफेसर चौधरी चरण खन्ना ने कहा कि हमें कृषि विकास हेतु सभी प्रकार की आवश्यकताओं में निरंतर योग्य कार्य करते हैं तो तब तक खेती एवं किसानों से जुड़ाव देश की अधिक विधि को सुधारने में निरंतर नई नई प्रकल्प के विभागाध्यक्ष डॉ. कुमल शर्मा ने सभी बधाई एवं परिभाषित कर सम्बन्धित पारित किया। स्कूल के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अमर सेनी ने अपनी भी सम्बोधन कर कार्यक्रम को समाप्त कराया।

**05 • मुद्रायाबाद • गुरुवार • 24 दिसंबर 2020 • हिन्दुस्तान**

**किसान दिवस पर ऑनलाइन परिचर्चा हुई**

मुद्रायाबाद। किसान दिवस पर आईएफटीएम में ऑनलाइन परिचर्चा की गई। गवर्मेण्ट डिग्री कॉलेज जखोली, रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ बबित कुमार विहान ने कृषि की समस्याएं एवं समाधान पर विस्तार से चर्चा की।

डॉ अलका शर्मा ने सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया। विवि कुलपति प्रो महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कृषि प्रधान देश में विवि द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। डॉ वीरेंद्र सिंह ने चौधरी चरण सिंह के व्यक्तित्व की जानकारी दी। रिचा खन्ना, अभय सेनी का सहयोग रहा।

*Sanjeev Prasad*  
**Registrar**  
 IFTM University  
 Moradabad.